No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

02526

जून, 2016

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित-साहित्य के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए । *10*

2. मराठी दलित-साहित्य के विकास में नामदेव ढसाल के योगदान का उल्लेख कीजिए । *10*

3. प्रेमचंद के साहित्य में व्यक्त दलित-संवेदना पर प्रकाश डालिए । *10*

4. भारतीय दलित-साहित्य पर भीमराव आम्बेडकर के विचारों का क्या प्रभाव पड़ा ? विश्लेषण कीजिए । *10*

5. महात्मा फुले के विचारों ने दलित-साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया ? समीक्षा कीजिए । *10*

6. अछूतानंद के साहित्य में व्यक्त सामाजिक चेतना को रेखांकित कीजिए । *10*

7. दलित-लेखकों को केन्द्र में रख कर दलित-साहित्य के सौन्दर्य-शास्त्र पर विचार कीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) नारायण गुरु

   (ख) निराला की दलित चेतना

   (ग) हीराडोम की कविता 'अछूत की शिकायत'

   (घ) डॉ. आम्बेडकर के नारी-संबंधी विचार

9. दलित-साहित्य में मिथकों के प्रयोग का उद्देश्य क्या है ? विश्लेषण कीजिए । *10*

10. दलित-कहानियों के आधार पर यह स्पष्ट कीजिए कि वे प्रेमचंद की कहानियों से किस प्रकार भिन्न हैं । *10*